

## 12 नए औद्योगिक स्मार्ट शहरों को मंजूरी

### प्रलम्ब के लिये:

औद्योगिक स्मार्ट शहर, [स्मार्ट सर्टि मशिन](#), [केंद्र प्रयोजन योजना](#), [सतत विकास](#), [वर्षिक प्रयोजन वाहन \(SPV\)](#), [सार्वजनिक-नजी भागीदारी \(PPP\)](#), [कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मशिन \(AMRUT\)](#), [प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी \(PMAY-U\)](#)

### मेन्स के लिये:

औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास से जुड़ी चुनौतियाँ और आगे की राह

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय [औद्योगिक गलियारा](#) विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 10 राज्यों में 6 प्रमुख औद्योगिक गलियारों में 12 औद्योगिक स्मार्ट शहरों की स्थापना को मंजूरी दी।

- **औद्योगिक परियोजनाओं के लिये चुने गए शहर** उत्तराखंड, पंजाब, महाराष्ट्र, केरल, उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में हैं।

### औद्योगिक स्मार्ट सर्टि क्या है?

- **परिचय:**
  - **औद्योगिक स्मार्ट सर्टि** एक शहरी क्षेत्र है, जो **औद्योगिक परिचालन की दक्षता बढ़ाने** और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिये उन्नत प्रौद्योगिकियों तथा डेटा विश्लेषण को एकीकृत करता है।
  - इन स्मार्ट औद्योगिक शहरों का उद्देश्य **वर्षिक नविश आकर्षण करना**, **घरेलू वनरिमाण** को बढ़ावा देना और रोजगार को बढ़ावा देना है।
- **उद्देश्य:**
  - भारत में नए औद्योगिक शहरों के विकास का उद्देश्य **नविशकों को आकर्षित हेतु तैयार भूमि उपलब्ध कराकर वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में देश की स्थितिको सुदृढ़** करना है।
  - इसका उद्देश्य **'प्लग-एंड-प्ले'** और **'वॉक-टू-वर्क'** जैसी उन्नत शहरी अवधारणाओं को एकीकृत करना है।
    - **प्लग-एंड-प्ले** औद्योगिक पार्क उपयोग के लिये तैयार बुनियादी ढाँचा प्रदान करते हैं, **जसिसेव्यवसायों को तुरंत परिचालन शुरू करने में सहायता** मिलती है।
    - **"वॉक-टू-वर्क"** एक शहरी नयोजन रणनीति है, जो **लोगों को अपने कार्यस्थलों के पास रहने के लिये प्रोत्साहित** करती है, कार के उपयोग को कम कर, पैदल चलने को बढ़ावा देती है।
- **विकास का रोडमैप:**
  - इन शहरों का विकास **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (National Industrial Corridor Development Programme- NICDP)** के तहत किया जाएगा।
    - NICDP का लक्ष्य उन्नत **औद्योगिक शहरों का विकास** करना है, जो **वर्षिक के शीर्ष वनरिमाण और नविश स्थलों के साथ प्रतिस्पर्धा** कर सकें।
    - इसे बड़े प्रमुख उद्योगों तथा **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (Micro, Small, and Medium Enterprises- MSME)** दोनों से नविश की सुविधा प्रदान करके, एक जीवंत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिये अभिकल्पित किया गया है।
      - पहला औद्योगिक गलियारा **दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, 2007** में स्वीकृत किया गया था।
    - यह कार्यक्रम **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (National Industrial Corridor Development and Implementation Trust- NICDIT)** और **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास नगम लिमिटेड (National Industrial Corridor Development Corporation Limited- NICDC)** द्वारा

कार्यान्वयन किया जाता है।

- ये औद्योगिक ग्ंथयिों (nodes) आवासीय और वाणजियकि प्रतषिठानों को एकीकृत करेंगे तथा आत्मनरिभर शहरी वातावरण के रूप में कार्य करेंगे।
- सरकार इन परयोजनाओं के वपिणन के लयि **इनवेस्ट इंडिया** (भारत की राष्ट्रीय नविश संवर्धन एवं सुवधि एजेंसी) के साथ साझेदारी करने की योजना बना रही है।
  - पार्कों के क्रयानवयन के लयि एक वशिष प्रयोजन वाहन (Special Purpose Vehicle- SPV) भी स्थापति कयि जायगा, जसिकी पूरणता अवधि 3 वर्ष होगी, जो राज्य के सहयोज पर नरिभर करेगा।

## स्वीकृत औद्योगिक स्मार्ट शहरों की मुख्य वशिषताएँ कयि हैं?

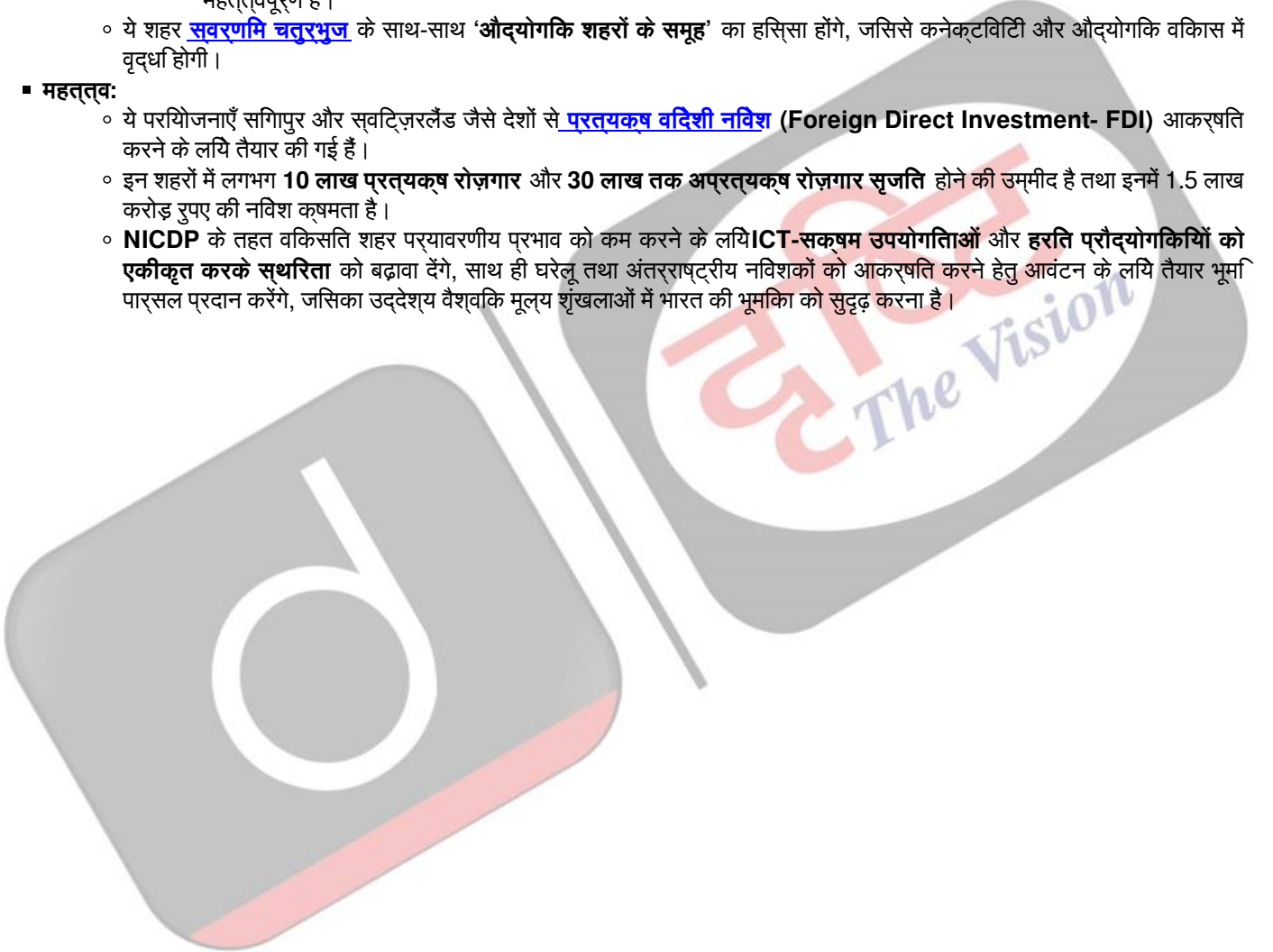
### ■ राष्ट्रीय आर्थिक लक्ष्यों और PM गति-शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप:

- इन स्मार्ट शहरों का वकिस सरकार के वर्ष 2030 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के नरियात लक्ष्य के अनुरूप है।
- परयोजनाओं को **प्रधानमंत्री के गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान** के अनुरूप बनाया जायगा, जसिमें लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की नरिबाध आवागमन को सक्षम करने के लयि **मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढाँचे** को शामिल कयि जायगा।
  - यह बुनियादी ढाँचा देश भर में रसद दक्षता (logistics efficiency) में सुधार और आपूर्ति शृंखला को सुव्यवस्थति करने के लयि महत्त्वपूर्ण है।
- ये शहर **सवरणमि चतुरभुज** के साथ-साथ 'औद्योगिक शहरों के समूह' का हसिसा होंगे, जसिसे कनेक्टिविटी और औद्योगिक वकिस में वृद्धि होगी।

### ■ महत्त्व:

- ये परयोजनाएँ सगिापुर और स्वटिज़रलैंड जैसे देशों से **प्रत्यक्ष वदिशी नविश (Foreign Direct Investment- FDI)** आकर्षति करने के लयि तैयार की गई हैं।
- इन शहरों में लगभग **10 लाख प्रत्यक्ष रोज़गार** और **30 लाख तक अप्रत्यक्ष रोज़गार सृजति** होने की उम्मीद है तथा इनमें 1.5 लाख करोड़ रुपए की नविश क्षमता है।
- **NICDP** के तहत वकिसति शहर पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लयि **ICT-सक्षम उपयोगिताओं** और **हरति प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करके स्थरिता** को बढ़ावा देंगे, साथ ही घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय नविशकों को आकर्षति करने हेतु आवंटन के लयि तैयार भूमि पारसल प्रदान करेंगे, जसिका उद्देश्य वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में भारत की भूमिका को सुदृढ़ करना है।

//



# औद्योगिक स्मार्ट शहरों का उपहार

## मुख्य विशेषताएं

- औद्योगिक नोड 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात हासिल करने वाले उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे
- शहरों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ग्रीनफील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिन्हें 'प्लग-एन-प्ले' और 'वॉक-टू-वर्क' अवधारणाओं के आधार पर "मांग से पहले" निर्मित किया जाएगा
- परियोजनाओं में बहु-मॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना शामिल होगी, जिससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी
- तत्काल आवंटन के लिए तैयार विकसित भूमि का प्रावधान, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के लिए भारत में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करना आसान होगा
- नियोजित औद्योगिकीकरण के माध्यम से 1 मिलियन प्रत्यक्ष और 3 मिलियन तक अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन



2/2



## औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास से जुड़ी चुनौतियाँ क्या हैं?

- तकनीकी एकीकरण और अवसंरचना: **IoT उपकरणों**, हाई-स्पीड इंटरनेट और डेटा केंद्रों का समर्थन करने के लिये पुराने शहरी औद्योगिक अवसंरचना को उन्नत करने हेतु महत्वपूर्ण नविश की आवश्यकता होती है और विशेष रूप से पुराने शहरों में यह तार्किक चुनौतियाँ भी उत्पन्न करता है।
- डेटा गोपनीयता और सुरक्षा: स्मार्ट उपकरणों से एकत्रित विशाल डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल और नरिंतर नगिरानी की आवश्यकता होती है।

- **वित्तपोषण और नविश:** सार्वजनिक या नजीक स्रोतों से पर्याप्त वित्तीय नविश प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण है, जिसके लिये हतिधारकों को दीर्घकालिक लाभ और नविश पर प्रतफल (Return on Investment- ROI) के बारे में आश्वस्त करना आवश्यक है।
- **सार्वजनिक स्वीकृति और जागरूकता:** प्रभावी संचार तथा शिक्षा के माध्यम से गोपनीयता, स्वचालन के कारण नौकरी की हानि एवं जीवनशैली में बदलाव के बारे में नागरिकों की चिंताओं को संबोधित करना औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की सफलता के लिये महत्वपूर्ण है।
- **शासन और नीतित्गित मुद्दे:** नगरपालिका के कानूनों, नयिमें और नीतियों में परिवर्तन करने में समय लगता है और ये राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दे हैं, जिससे स्मार्ट सिटी कार्यक्रमों को लागू करना अधिक कठिन हो जाता है।

## आगे की राह

- **नियामक सुधार:** प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और डिजिटल बनाना, सरकारी स्तरों पर वनियमनों में सामंजस्य स्थापित करना तथा कार्यकुशलता में सुधार, व्यावसायिक बोझ को कम करने एवं नविशकों का विश्वास बनाने के लिये नरिणय लेने में पारदर्शिता बढ़ाना।
- **कुशल भूमि अधिग्रहण:** अधिग्रहण को सुव्यवस्थित करने के लिये भूमि बैंक बनाने, विवादों को कम करने के लिये उचित मुआवजा सुनिश्चित करने और प्रक्रिया में तेज़ी लाने हेतु भूमि पूलिंग जैसे नवीन तरीकों का उपयोग करने की आवश्यकता है।
- **सतत विकास:** इन पर्यासों को समर्थन देने के लिये गहन पर्यावरणीय आकलन करना, टिकाऊ व्यावसायिक क्रियाओं को बढ़ावा देना और आवश्यक बुनियादी ढाँचे में नविश करना जरूरी है।
- **कौशल विकास और कार्यबल प्रशिक्षण:** औद्योगिक पार्कों में कौशल की कमी को दूर करने के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना, अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु उद्योगों के साथ सहयोग करना तथा कर्मचारियों के विकास में नविश करने के लिये व्यवसायों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रोत्साहन प्रदान करना महत्वपूर्ण है।
- **सार्वजनिक-नजीक भागीदारी:** औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास के लाभों को अधिकतम करने के लिये, सार्वजनिक-नजीक भागीदारी को बढ़ावा देना आवश्यक है, जो जोखिम और लाभ को समान रूप से साझा करना तथा शासन में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करना।

### दृष्टि भेन्स प्रश्न:

**प्रश्न:** औद्योगिक स्मार्ट शहर क्या हैं? भारत के शहरी विकास में उनकी प्रसंगिकता की जाँच कीजिये और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को सूचीबद्ध कीजिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

**[?/?/?/?/?]:**

**प्रश्न.** भारत में नगरीय जीवन की गुणता की संक्षिप्त पृष्ठभूमि के साथ, 'स्मार्ट नगर कार्यक्रम' के उद्देश्य और रणनीति बताइये। (2016)